आभार

आदरणीय शोध निर्देशक डॉ. सिद्धार्थ शंकर राय का धन्यवाद करने की क्षमता मेरे शब्दों में नहीं है, जिन्होंने इस कार्य को पूर्ण करने की प्रेरणा एवं सहयोग मुझे दिया। मैं सदा आभारी रहूँगी डॉ. कमलानन्द झा का, जिन्होंने मुझे यह विषय चुनने की प्रेरणा दी और समय-समय पर कार्य करने का हौंसला दिया। मैं धन्यवाद करती हूँ डॉ. रामनरेश मिश्र का, जिन्होंने इस कार्य को आगे बढ़ाने में मेरी सहायता की। मैं धन्यवादी रहूँगी विभागीय शिक्षक डॉ. अरविन्द तेजावत एवं डॉ. अमित मनोज का, जिन्होंने आवश्यकता पड़ने पर मार्गदर्शन किया। डॉ. रमेश कुमार अध्यक्ष हिंदी विभाग श्री वाष्णैव विद्यालय, अलीगढ़ (यू.पी.) का आभार मैं शब्दों में व्यक्त कर पाऊँगी क्योंकि जिन्होंने इतनी दूरी होने पर भी जो सहयोग दिया है उसकी मैं सदा ऋणी रहूँगी। मैं धन्यवाद करती हूँ मेरे सहपाठियों कृष्णा आर्य, प्रीति यादव, मनीषा ठाकुर, रईस खान, कविता और एम.फिल छात्र प्रदीप कुमार का जिन्होंने हर समय मेरा सहयोग किया।

मैं नमन करती हूँ अपने आदरणीय माता-पिता का और सास-ससुर का जिन्होंने आरंभ से लेकर अंत तक मुझे स्नेह, दुलार एवं सहयोग दिया जिसके बिना इस शोध-प्रबंध की पूर्णता संदिग्ध थी। शोध कार्य की सम्पन्नता हेतु मैं अपने पति नरेश कुमार के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करने में असमर्थता पाती हूँ, क्योंकि यदि उनका सहयोग एवं प्रेरणा नहीं मिली होती तो यह कार्य असंभव था। अपनी दोनों पुत्रियों खुशी और निष्ठा के अमूल्य वात्सल्य के क्षणों में कटौती करके इस कार्य को सम्पन्नता प्रदान की है। इसलिए उनको अपार स्नेह देती हूँ। अपने परिवार के अन्य सदस्यों के साथ-साथ भाई-भाभी को भी धन्यवाद ज्ञापित करती हूँ जिन्होंने विशेष सहयोग दिया और इस कार्य को करने में सहयोग दिया। साथ-साथ हरियाणा संस्कृति एवं इतिहास अकादमी एवं बाबू बालमुकुंद पत्रकारिता साहित्य संरक्षण परिषद् की विशेष ऋणी रहूँगी जिन्होंने मुझे शोध से संबंधित सभी रचनाएँ उपलब्ध कराई।

साथ-साथ हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के सभी शिक्षण एवं गैर शिक्षण कर्मचारियों का जिन्होंने मुझे अमूल्य सहयोग दिया।

अन्त में मैं जितेन्द्र शर्मा, शर्मा कम्प्यूटर्स, रेवाड़ी का भी आभार प्रकट करती हूँ जिन्होंने इस शोधग्रन्थ को सही व सुन्दर ढंग से कम्प्यूटर पर तैयार करने में सहायता की है।

धन्यवाद सहित।

रीना यादव
पीएच.डी. (हिंदी)